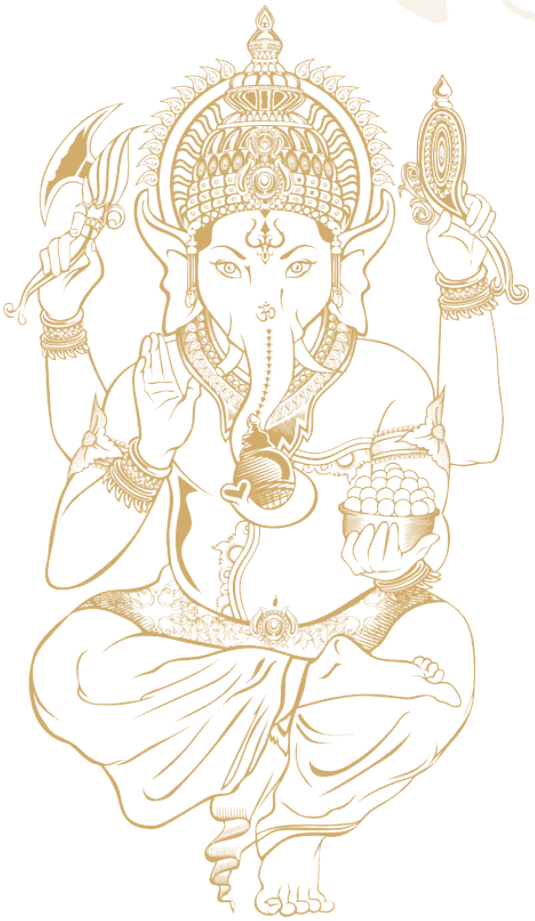

Mr. Shivansh

09 Feb 2005

10:25 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120208108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:25:00 घंटे**
इष्ट	08:21:17 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:03:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	19:21:25 घंटे
सूर्योदय	07:04:29 घंटे
सूर्यास्त	18:06:33 घंटे
दिनमान	11:02:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:36:51 मकर
लग्न के अंश	04:29:16 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वरियान
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:29:16	481:43:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मक	26:36:51	01:00:46	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	00:23:53	15:03:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	07:47:34	00:42:26	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	22:40:09	01:43:41	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		कन्या	24:51:19	00:01:22	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	14:16:38	01:15:08	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	27:55:46	00:04:00	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	00:59:29	00:09:27	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	00:59:29	00:09:27	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:54:43	00:03:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:21:10	00:02:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:01:02	00:01:27	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			धनु	24:52:08	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:37

लग्न-चलित

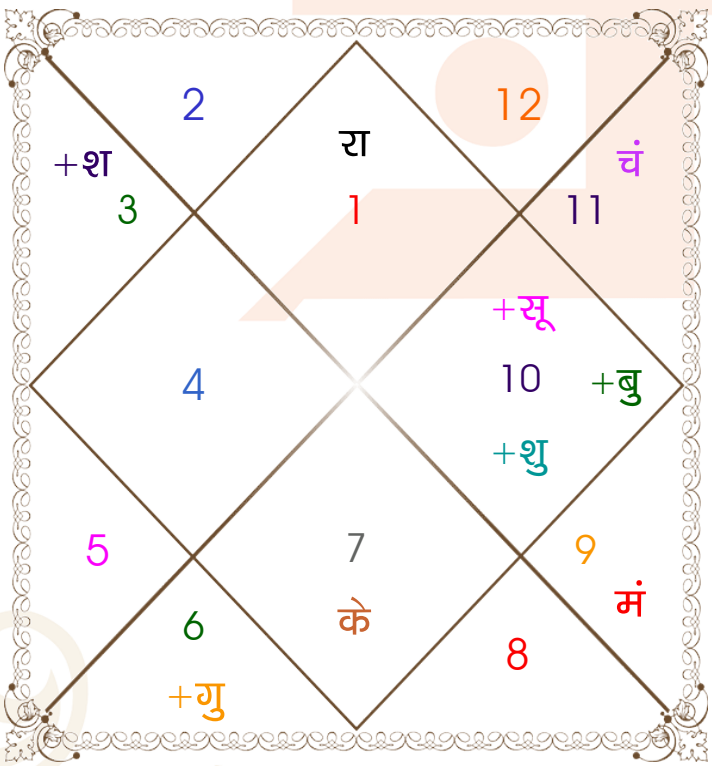

चन्द्र कुंडली

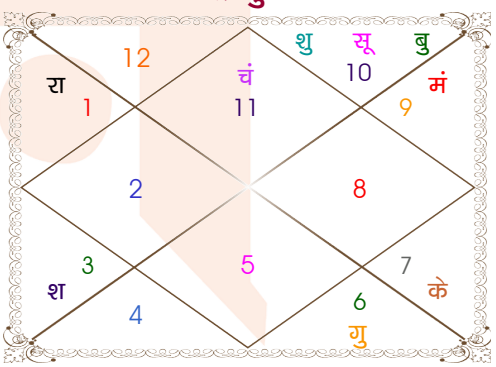

नवमांश कुंडली

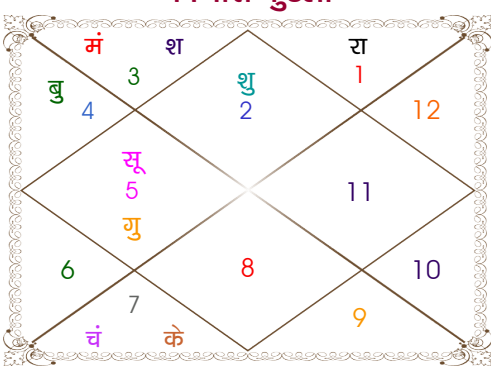

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 3 मास 14 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/02/2005		26/05/2008		26/05/2026		26/05/2042		26/05/2061	
26/05/2008		26/05/2026		26/05/2042		26/05/2061		26/05/2078	
	00/00/0000	राहु	06/02/2011	गुरु	14/07/2028	शनि	29/05/2045	बुध	23/10/2063
	00/00/0000	गुरु	02/07/2013	शनि	25/01/2031	बुध	06/02/2048	केतु	19/10/2064
	00/00/0000	शनि	08/05/2016	बुध	02/05/2033	केतु	17/03/2049	शुक्र	20/08/2067
	09/02/2005	बुध	25/11/2018	केतु	08/04/2034	शुक्र	17/05/2052	सूर्य	25/06/2068
बुध	22/11/2005	केतु	14/12/2019	शुक्र	07/12/2036	सूर्य	29/04/2053	चंद्र	25/11/2069
केतु	20/04/2006	शुक्र	13/12/2022	सूर्य	25/09/2037	चंद्र	28/11/2054	मंगल	22/11/2070
शुक्र	20/06/2007	सूर्य	07/11/2023	चंद्र	25/01/2039	मंगल	07/01/2056	राहु	10/06/2073
सूर्य	26/10/2007	चंद्र	08/05/2025	मंगल	01/01/2040	राहु	13/11/2058	गुरु	16/09/2075
चंद्र	26/05/2008	मंगल	26/05/2026	राहु	26/05/2042	गुरु	26/05/2061	शनि	26/05/2078

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/05/2078		26/05/2085		27/05/2105		28/05/2111		27/05/2121	
26/05/2085		27/05/2105		28/05/2111		27/05/2121		00/00/0000	
केतु	23/10/2078	शुक्र	25/09/2088	सूर्य	14/09/2105	चंद्र	27/03/2112	मंगल	23/10/2121
शुक्र	23/12/2079	सूर्य	25/09/2089	चंद्र	15/03/2106	मंगल	26/10/2112	राहु	11/11/2122
सूर्य	29/04/2080	चंद्र	27/05/2091	मंगल	21/07/2106	राहु	27/04/2114	गुरु	18/10/2123
चंद्र	28/11/2080	मंगल	26/07/2092	राहु	15/06/2107	गुरु	27/08/2115	शनि	26/11/2124
मंगल	26/04/2081	राहु	27/07/2095	गुरु	02/04/2108	शनि	27/03/2117	बुध	10/02/2125
राहु	14/05/2082	गुरु	27/03/2098	शनि	15/03/2109	बुध	27/08/2118		00/00/0000
गुरु	20/04/2083	शनि	27/05/2101	बुध	20/01/2110	केतु	28/03/2119		00/00/0000
शनि	29/05/2084	बुध	27/03/2104	केतु	27/05/2110	शुक्र	26/11/2120		00/00/0000
बुध	26/05/2085	केतु	27/05/2105	शुक्र	28/05/2111	सूर्य	27/05/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 3 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।